Si	ignature and Name of Invigilator PAP	ER	-I							
1.	(Signature)	О	MR Sheet I	No. :					• • • • • • •	
	(Name)			(To be						
2.		R	oll No.							
	(Name)			(In figu	ıres	as pe	adm	ission	card))
		R	oll No							
	J () () 1 6				(In w	ords)		34	
Ti	me : 1 ¹ / ₄ hours] Test Booklet	Sei	ries A			[Ma	ıximı	ım M	larks	: 100
Νι	umber of Pages in this Booklet: 24			nber of (_		-		ookle	t : 60
	Instructions for the Candidates			परीक्षार्थिय	ों के	लिए	निर्देश			2
1.	Write your roll number in the space provided on the top of this page.	1. 2.	इस पृष्ठ के ऊप इस प्रश्न-पत्र में को किसी भी पर	र 1नयत स्थ साट (60) र	॥न ५ बह्रवि	र अपन् कल्पीय	॥ राल पश्न	नम्बर हैं जिन	ालाखए में से उ	। म्मीदवार
2.	This paper consists of sixty (60) multiple-choice type of		को किसी भी पर	यास <u>(</u> 50) प्र	ाष्ट्रन ११न	क्रा उत्त	र देना	होगा ।	उम्मीदर	त्रार द्वारा
	questions, out of which the candidate would be required to answer any fifty (50) questions. In the event of the candidate		पचास से अधिक पचास प्रश्नों का	प्रश्ना का उ	उत्तर	दन पर	उम्माद	त्रार द्वार	। दिये ग	ाये प्रथम
	attempting more than fifty questions, the first fifty questions	3.	परीक्षा प्रारम्भ ह	नि पर, प्रश	न-पुरि	तका उ	आपको	दे दी	जायेगी	। पहले
3	attempted by the Candidate would be evaluated. At the commencement of examination, the question booklet		पाँच मिनट आप जाँच के लिए दि	गको प्रश्न-प्	स्तिव	न खोत	नने तथ	ग उसव	ही निम्न	निलखित
٥.	will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested		(i) प्रश्न-पस्तिव	क्रा खोलनें वे	र्ज लिंग	र पस्ति	का पर	लगी क	गगज की	ो सील /
	to open the booklet and compulsorily examine it as below: (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper	-1	पोलिथौन बै	बैग को फाड़ थीन बैग कु	इ लें	। खुल	ो हुई र	ग्रा बिना	स्टीकर	:-सील /
	seal / polythene bag on the booklet. Do not accept		(ii) कवर पृष्ठ	थान बग क पर्छपे निर्दे	। पुर शान ः	तका र सार प्र 9	वाकार न-पस्ति	न कर का के	। पष्ठ तश	था प्रश्नों
	a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.	6	की संख्या	को अच्छी	तरह	चैक व	जर लें रि	के ये पू	रें है ।	दोषपूर्ण
	(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover	f.	पास्तका जि में न हों अर	ानमें पृष्ठ/प्रः र्यात किसी	श्न क भी प	म हा य कार क	ा दुबारा रे त्रटिप	िआ गय र्णा पस्टि	। हा या र नका स्व	साारयल विकार न
	page. Faulty booklets due to pages/questions missing		करें तथा उ	उसी समय ३	उसे ल	गौटाकर	" उसके	स्थान	पर दस	ारी सही
	or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a		प्रश्न-पुस्ति जारोंगे । उ	ाकालेलें सकेबादन	। इर नो अ	ाके लि एकी ए	ए आप इन परि	यको पाँ स्वकात	चिमिन एम्स्रली	ाट दिये जारोगी
	correct booklet from the invigilator within the period		और न ही	आपको अवि	तेरिक	त समय	ा दियाँ	जायेगा	1	
	of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.		(iii) इस जाँच वे	ह बाद प्रश्न- OMR पत्रव	.पुस्ति इ. त्या	का का	नंबर (OMR T	ग्रक पर	् अंकित - अंकित
	(iii) After this verification is over, the Test Booklet Number		कर दें ।					9		
	should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.	N	(iv) इस प्रश्न-पुर्ग	स्तका की स	गिरीज़	A है	। यह स्	निश्चित	्कर लें	कि इस
	(iv) The Series of this booklet is A , make sure that the series	M	प्रश्न-पुस्तिक सीरीज भिन्न	ग की सीरीज़, 1 हो तो परी8	OM धार्थी	.R पत्रव दसरी स	२ क सा मान सी	राज़ स । रीज वात	मलता ह जी प्रश्न	. । अगर -पस्तिका/
	printed on OMR Sheet is same as that on this booklet. In case of discrepancy in Series, the candidate should		OMR पत्रव	ा हो तो परी ⁸ कू बदलने के	लिए	निरीक्षव	क को त्	रंत सूचि	ति करें]
	immediately report the matter to the Invigilator for replacement of the Test Booklet/OMR Sheet.	4.	प्रत्येक प्रश्न के ग्ये हैं । आपको	लिए चार उ सम्बंध	उत्तर । के ट	वकल्प च को	(1), (ਪੇਜ ਸ਼ੇ	(2), (3) (1)) तथा (काळा	(4) दिये करना है
4.	Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3)		जैसा कि नीचे वि	रखाया गया	है_।					
	and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.	5.	उदाहरण : (1) प्रश्नों के उत्तर व	(2)	(4)	जर्बा	के (3)	सही उ	त्तर है से ० М	 D ਸ਼ਹਰਨ
	Example: 1 2 4],	पर ही अंकित क							
5	where (3) is the correct response. Your responses to the items are to be indicated in the OMR		अलावा किसी व		पर ः	उत्तर चि	ाह्नांकि	त करते	१ हैं, तो	। उसका
٥.	Sheet given inside this Booklet only. If you mark your	6.	मूल्यांकन नहीं ह अन्दर दिये गये		ध्यान	पूर्वक प	ाहें ।			
10	response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.	7.	कच्चा काम (Ro	ugh Work	(<u>)</u> इस	र पुस्ति	का के	अन्तिम	पृष्ठ प	र करें।
	Read instructions given inside carefully.	8.	यदि आप OMF नम्बर, फ्रोन नम्ब	र पत्रक पर ार या कोई	ानयत् भी ऐ	१ स्थान सा चि	क अ ट्रन जि	लावा उ पसे आ	गपना ना पकी पह	1म, राल इचान हो
	Rough Work is to be done in the end of this booklet. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put		सके, अंकित कर	रते है अथव	ा अभ	गद्र भाष	ा का प्र	ग्योग क	ज्रते है,	या कोई
٥.	any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space		अन्य अनुचित स उत्तर को मिटान	प्राधन का प्र ग या सफेव	ायाग : स्य	करत ाही से	ह, जस बदलन	ाक अ गतो प	गकत । यरीक्षा	कय गय के लिये
	allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair		अयोग्य घोषित वि	केये ज़ा सब	कते है	7 1		•		
	means such as change of response by scratching or using	9.	आपको परीक्षा सम् आवृश्यक है और	गप्त होने पर परीक्षा समापि	मूल (त के	OMR प बाद उमे	ात्रक नि अपने	रक्षिक म प्राथ प्रग	हिदय क श्रा भवन	ा लीटाना १ में बाहर
9.	white fluid, you will render yourself liable to disqualification. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators		न लेकर जायें ।	हालांकि आण	प परी	क्षा सम	ाप्ति पर	मूल् प्र	श्न-पुस्ति	
	at the end of the examination compulsorily and must not	10.	OMR पत्रक की केवल C.B.S.E	डुप्लिकट प्रीत ' दारा पदा	1 अप न वि	ने साथ त्ये गये	ल जा	सकते है बाल प्त	्। गर्दट चेर	रका दी
	carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and		इस्तेमाल् करें ।							_
10	duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination. Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.	11.	किसी भी प्रकार प्रयोग वर्जित है		क (वै	त्लकुल <u>े</u>	टर) य	लाग व	टंबल अ	गांद का
11.	. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.		गलत उत्तरों के ि	लेए कोई न					• • • •	,
	There are no negative marks for incorrect answers. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions,	13.	यदि अंग्रेजी या अंतिम माना जाए		ा में	काइ वि	संगति	हा, तो	अग्रजी	विवरण
	TO 11 1 1 1111 . 1 61 1			• **						

A-00



English version will be taken as final.

P.T.O.

Paper – I

Note: • This paper contains Sixty (60) multiple choice questions, each question carrying two (2) marks.

- Candidate is expected to answer any **Fifty** (50) questions.
- In case more than **Fifty** (50) questions are attempted, only the first **Fifty** (50) questions will be evaluated.
- **1.** Select the alternative which consists of positive factors contributing to effectiveness of teaching:

List of factors:

- (a) Teacher's knowledge of the subject.
- (b) Teacher's socio-economic background.
- (c) Communication skill of the teacher.
- (d) Teacher's ability to please the students.
- (e) Teacher's personal contact with students.
- (f) Teacher's competence in managing and monitoring the classroom transactions.

Codes:

(1) (b), (c) and (d)

(2) (c), (d) and (f)

(3) (b), (d) and (e)

- (4) (a), (c) and (f)
- 2. The use of teaching aids is justified on the grounds of
 - (1) attracting students' attention in the class room.
 - (2) minimising indiscipline problems in the classroom.
 - (3) optimising learning outcomes of students.
 - (4) effective engagement of students in learning tasks.
- **3. Assertion** (A): The purpose of higher education is to promote critical and creative thinking abilities among students.

Reason (**R**) : These abilities ensure job placements.

Choose the correct answer from the following code:

- (1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
- (3) (A) is true but (R) is false.
- (4) (A) is false but (R) is true.
- **4.** Match the items of the first set with that of the second set in respect of evaluation system. Choose the correct code :

Set - I

Set – II

- a. Formative evaluation
- i. Evaluating cognitive and co-cognitive aspects with regularity
- b. Summative evaluation
- ii. Tests and their interpretations based on a group and certain yardsticks
- c. Continuous and comprehensive evaluation
- iii. Grading the final learning outcomes
- d. Norm and criterion referenced tests
- iv. Quizzes and discussions

Codes:

- a b c d
 (1) iv iii i ii
- (2) i ii iii iv
- (3) iii iv ii i
- (4) i iii iv ii

प्रश्नपत्र - I

			•	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	` •			
नोट :			-		ात्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं ।			
			ग्रास (50) प्रश्नों के र					
	 यदि पचार 	स (50) से अ	धिक प्रश्नो के उत्तर	दिये तो	प्रथम पचास (50) प्रश्न ही जाँचे जायेंगे ।			
1.	शिक्षण की प्रभावकारिता में योगदान देने वाले सकारात्मक कारकों वाले विकल्प का चयन कीजिए :							
	<u>कारकों की सूची</u> :							
	` /	क को विषय						
	` '	क का सामाा ^ज क का संप्रेषण	नक-आर्थिक पृष्ठभूमि कोणल					
			करने की अध्यापक	की योग्र	यता			
	(e) विद्यार्थि	यों के साथ अ	ाध्यापक का व्यक्तिगर	त संपर्क	5			
		व्यवहार के स	ांचालन और अनुश्रव	ण में अ	ध्यापक की क्षमता			
	कूट:	\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ 		(2)	() (1) 247 (0)			
		:) और (d) l) और (e)			(c), (d) और (f) (a), (c) और (f)			
2	` ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' '	, , ,)(
2.			रणों की उपयोगिता वे ज्ञाध्यान आकर्षित कर		त्य का आधार ह			
	` '		नता की समस्या को व		ना ।			
	(3) विद्यार्थि	यों के अधिगम	न परिणामों को इष्टतः	म करन	ТІ			
	(4) अधिगम	ा कायों में विष	ग्रार्थियों को प्रभावी ढंग	ग से ल	गाना ।			
3.	अभिकथन (A			ान विद्य	ार्थियों में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिन्तन योग्यता			
	तर्क (R)		ने बढ़ावा देना है । - सोराज्यकों से नर्स	топпт	। सुनिश्चित होता है ।			
	` /		न पाग्यताञा स काप ार का चयन कीजिये		। सुनिश्यत हाता है ।			
			सही हैं और (R), (<i>A</i>		सही व्याख्या है ।			
				A) की	सही व्याख्या नहीं है ।			
		ही है और (R						
		लत है और (I)			
4.	मूल्यांकन प्रणात कीजिए :	ली की दृष्टि र	से सेट $-I$ के मदों क	ने सेट -	- II के मदों के साथ सुमेलित कीजिए । सही कूट का चयन			
		सेट – I	4		सेट – II			
4		ाक मूल्यांकन		i.	नियमितता के साथ संज्ञानात्मक, सह-संज्ञानात्मक			
1		1			पहलुओं का मूल्यांकन करना ।			
1	b. संकलन	ात्मक मूल्यांव		ii.	किसी समूह और कुछ मानदंडों के आधार पर			
3	7/	. /			परीक्षण और उनकी व्याख्या			
	1 /	भौर व्यापक मृ	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	iii.	अंतिम अधिगम परिणामों का श्रेणीकरण			
		आर निकष स	दिभित परीक्षण	iv.	प्रश्नोत्तरी और चर्चाएँ			
	कूट: a	b c	d					
		iii i	ii					
	(2) i	ii iii	iv					
	` '	iv ii	i 					
	(4) i i	iii iv	ii					

5.	effe	<u>-</u>		of possible factors for the organization of research method will be most appropriate for
	(1)	Historical method	(2)	Descriptive survey method
	(3)	Experimental method	(4)	Ex-post-facto method
6.	Whi	ch of the following is an initi	al mandatory	requirement for pursuing research?
	(1)	Developing a research design	gn	
	(2)	Formulating a research que	stion	
	(3)	Deciding about the data ana	lysis proced	ure

- (4) Formulating a research hypothesis
 - The format of thesis writing is the same as in (1) preparation of a research paper/article
 - (2) writing of seminar presentation
 - (3) a research dissertation

7.

- (4) presenting a workshop / conference paper
- **8.** In qualitative research paradigm, which of the following features may be considered critical?
 - (1) Data collection with standardised research tools.
 - (2) Sampling design with probability sample techniques.
 - (3) Data collection with bottom-up empirical evidences.
 - (4) Data gathering to take place with top-down systematic evidences.
- **9.** From the following list of statements identify the set which has negative implications for 'research ethics':
 - (i) A researcher critically looks at the findings of another research.
 - (ii) Related studies are cited without proper references.
 - (iii) Research findings are made the basis for policy making.
 - (iv) Conduct of practitioner is screened in terms of reported research evidences.
 - (v) A research study is replicated with a view to verify the evidences from other researches.
 - (vi) Both policy making and policy implementing processes are regulated in terms of preliminary studies.

Codes:

(1) (i), (ii) and (iii) (2) (ii), (iii) and (iv) (3) (ii), (iv) and (vi) (4) (i), (iii) and (v)

- 10. In a research on the effect of child-rearing practices on stress-proneness of children in completing school projects, the hypothesis formulated is that 'child rearing practices do influence stress-proneness'. At the data-analysis stage a null hypothesis is advanced to find out the tenability of research hypothesis. On the basis of the evidence available, the null hypothesis is rejected at 0.01 level of significance. What decision may be warranted in respect of the research hypothesis?
 - (1) The research hypothesis will also be rejected.
 - (2) The research hypothesis will be accepted.
 - (3) Both the research hypothesis and the null hypothesis will be rejected.
 - (4) No decision can be taken in respect of the research hypothesis.

(1) ऐतिहासिक पद्धित (2) वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धित (3) प्रयोगात्मक पद्धित (4) कार्योत्तर पद्धित (4) अनुसंधान अभिकल्य विकसित करना । (2) अनुसंधान-अरग तैयार करना । (3) प्रदत्त विश्तेषण प्रक्रिया के संबंध में निर्णय लेना । (4) अनुसंधान-परिकल्पना निर्मित करना । (5) प्रोध-प्रवर्षण क्रिक्रया के संबंध में निर्णय लेना । (6) अनुसंधान-परिकल्पना निर्मित करना । (7) शोध-प्रवर्षण क्रिक्रया के संबंध में निर्णय लेना । (8) गोध-प्रवर्षण क्रिक्रया करना । (9) संभाव्य प्रतिवर्श तकनीक सहित प्रतिदर्भ यथ का अभिकल्प । (1) मानकोकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त का संकल्प । (1) मानकोकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त का संकल्प । (2) संभाव्य प्रतिवर्श तकनीक सहित प्रतिदर्भ यथ का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुपविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । (9) निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध को नैतिकता' पर नकारात्मक प्रधाव पद्धित है : (i) शोधार्थी, दुसरे शोध के निक्कषों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के विना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (ii) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आवरण का परीक्षण किया जाता है । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निव्यन्त किया जाता है । (v) अन्य शोध के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निव्यन्त किया जाता है । (v) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपरित किया जाता है । (ii) (ii) और (iii) (2) (ii) (iii) और (v) (3) (ii) (iv) और (vi) (4) (iii) और (v) (10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिवल उन्मुखता पर शिक्ष प्रमाव पद्धता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को सर्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्ण नहीं ति अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्ण नहीं ति अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्ण नहीं ति अस्वीकार	5. यदि कोई शोधार्थी प्रभावी मिड-डे मील हस्तक्षेप के आयोजन के लिए संभावित कारकों के प्रभाव का प चाहता है तो अनुसंधान की कौन सी पद्धति इस अध्ययन के लिए सर्वोत्तम होगी ?					
(3) प्रयोगात्मक पद्धित (4) कार्योत्तर पद्धित 6. शोध करने के लिए निम्नलिखित में से कोन सी आरंभिक अनिवार्यता की अपेक्षा है ? (1) अनुसंधान अभिकल्प विकासत करना । (2) अनुसंधान-अप्तन तैयार करना । (3) प्रदत्त विक्रलेषण प्रक्रिया के संबंध में निर्णय लेना । (4) अनुसंधान-परिकल्पना निर्मित करना । (5) शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्नलिखित में होता है : (1) शोध-प्रवंख तिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्नलिखित में होता है : (1) शोध-प्रवंख तैयार करना । (2) संगोध्यी प्रस्तुनीकरण का लेखन (3) शोध के लघुशोध-प्रबंध में (4) कार्यशाला/सम्मेलन में लेख प्रस्तुत करना । 8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्नलिखित में से कोन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों को सहायता से प्रदत्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सहित प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदर्तों के संग्रहण में इंद्रियान्मिक्क साहत प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों का निम्म से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्नलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नत कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संस्थों के बिना संबंधित अध्ययों को उद्दृश्त किया जाता है । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परोक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मान किया जाता है । (v) जीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (v) नीति निर्माण और नीति क्रियान्यवन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (व्यात्त है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अथ्य प्रमाय परता है ।' प्रदत्त विश्तरलेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णयं अधितत है ? (1) शोध परिकल्पना को में स्वीक किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णयं नहीं लिया जा सताता है ।			•		and the second s	
6. शोध करने के लिए निर्मालिखित में से कोन सी आरंभिक अनिवार्यता की अपेक्षा है ? (1) अनुसंधान अभिकरण विकसित करना । (2) अनुसंधान-प्रश्न तैयार करना । (3) प्रद्म विश्वलेषण प्रक्रिया के संबंध में निर्णय लेना । (4) अनुसंधान-परिकल्पना निर्मित करना । 7. शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्मिलिखित में होता है : (1) शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्मिलिखित में होता है : (3) शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्मिलिखित में होता है : (3) शोध-प्रवंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्मिलिखित में होता है : (1) शोध-प्रवंध लिखने का प्रारूप करना । (2) संगांच्य प्रतिवान में निम्मिलिखित में से कोन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों की सहावता से प्रदत्त का अभिकल्प । (3) प्रत्नों के संग्रहण में इंडियानुभविक साक्ष्यों का निम्म से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मृखता । (4) उच्च से निम्म व्यवस्थित साक्ष्यों सिहत प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्मिलिखत कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीनिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रमाव पृदता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदभी के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्दश्त किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मल किया जाता है । (v) जीति निर्माण और नीति कियान्यन दोनों प्रक्रियाओं के आदरण का परीक्षण किया जाता है । कृट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-पियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रमुखता कर सुखता है ।' प्रदत्त विरलेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को सेवित स्विकारों का जाता को स्विकल ने साथ पर अवस्था में शोध परिकल्पना को स्विकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को सीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना को सीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को सीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना को सीकार किया जाएगा ।		` ′		` ′		
(4) अनुसंधान-परिकल्पना निर्मित करना । 7. शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्निलिखित में होता है : (1) शोध-प्रग्रलेख तैयार करना । (2) संगोध्ये प्रस्तुतीकरण का लेखन (3) शोध के लघुशोध-प्रबंध में (4) कार्यशाला/सम्मेलन में लेख प्रस्तुत करना । 8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्निलिखित में से कौन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों को सहायता से प्रदत्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सिहत प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीनिए, जिसका 'शोध को नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थों, दुसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदभों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्भृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति तर्माण और नीति क्रियान्वयन चन तेनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (1) (i), (ii) और (vi) (2) (ii), (iii) और (v) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना को अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । उपलब्पना के संबंध में क्या निर्णय अधितह है ? (1) शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय जारित है ? (2) शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।	6.	शोध व (1) (2)	अनुसंधान अभिकल्प विकसित करना । अनुसंधान-प्रश्न तैयार करना ।	रंभिक उ	भिनवार्यता की अपेक्षा है ?	
 7. शोध-प्रबंध लिखने का प्रारूप वही होता है जो निम्निलिखित में होता है : शोध-प्रश्लेख तैयार करना । संगोध्यी प्रस्तुतीकरण का लेखन शोध के लघुशोध-प्रबंध में (4) कार्यशाला/सममेलन में लेख प्रस्तुत करना । 8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्निलिखित में से कीन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? मानकीकृत शोध उपकरणों की सहावता से प्रदत्त का संकलन । संगाव्य प्रतिदर्श तकनीक सहित प्रतिदर्श चयन का अधिकल्प । प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रमाव पड़ता है : शोध में तिकतीं में तुसरे शोध के निष्कर्यों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । अध्या है : प्रधाधीं, दूसरे शोध के निष्कर्यों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । प्रधाधीं, दूसरे शोध के आधार पर व्यवहारकांओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । प्रभावित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकांओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । प्रभाव में निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्यन्त किया जाता है । कृट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना को अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्यंकता किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्यंकता किया जाता है । शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णंय अधिति है ? शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णंय अधिति है ? शोध परिकल्पना को संबंध में काई निर्णंय नहीं लिया जा सकता है । 				arii i)	
(1) शोध-पत्र लोख तैयार करना । (2) संगोध्यी प्रस्तुतीकरण का लेखन (3) शोध के लघुशोध-प्रबंध में (4) कर्यशाला/सम्मेलन में लेख प्रस्तुत करना । 8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्निलिखित में से कोन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रस्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सहित प्रतिदर्श चयन का अभिकल्य । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभिवक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्भृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (i), (ii) और (vi) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. बिद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना को पूरा परिकल्पना को स्रियोध पर शून्य परिकल्पना को स्रायातित है । राध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा ।		` ′	Ç			
(3) शोध के लघुशोध-प्रबंध में (4) कार्यशाला/सम्मेलन में लेख प्रस्तुत करना । 8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्निलिखत में से कौन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सहित प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सिहत प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखत कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्दश्त किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्यन्त किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्ययन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । क्टः (1) (i),(ii) और (iii) (2) (ii),(iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्त का प्रति तहा निर्माण जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर पूर्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को सी अस्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।	7.					
8. गुणात्मक शोध के प्रतिमान में, निम्निलिखित में से कौन सी विशेषता को महत्त्वपूर्ण माना जा सकता है ? (1) मानकीकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सिंहत प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभिवक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सिंहत प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थों, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । क्टः (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना को सुश परिकल्पना की सर्वोकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रतिवित किया जाता है । शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णय अपिकत है ? (1) शोध परिकल्पना को मं अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना के मं वंध में क्या निर्णय अपिक्षत है ? (1) शोध परिकल्पना को मं वंध में क्या निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		` ′				
(1) मानकीकृत शोध उपकरणों की सहायता से प्रदत्त का संकलन । (2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सिंहत प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सिंहत प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलियित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थीं, दूसरे शोध के निष्कर्यों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्भुत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्य नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और जीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । (vi) (ii), (iii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूग करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पढ़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रसत्तित्त किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्थीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के सेवंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा ।		(3)	शाध के लघुशाध-प्रबंध म	(4)	कायशाला/सम्मलन म लख प्रस्तुत करना ।	
(2) संभाव्य प्रतिदर्श तकनीक सहित प्रतिदर्श चयन का अभिकल्प । (3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदभों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्षों नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पढ़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रतावित किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय आपिता है । (2) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।	8.	गुणात्म			- ,	
(3) प्रदत्तों के संग्रहण में इंद्रियानुभविक साक्ष्यों का निम्न से उच्च स्तरीयता की ओर उन्मुखता । (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सहित प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिहिनत कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययमों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना वम है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय आपित है । आध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।			•			
 (4) उच्च से निम्न व्यवस्थित साक्ष्यों सिहत प्रदत्त संग्रहण । 9. निम्नलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिह्नित कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदभों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना वह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय आपित किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 		` '				
 9. निम्निलिखित कथनों की सूची से उस सेट को चिहिनत कीजिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है: (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना वहे है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 			•		•	
पड़ता है : (i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्दध्त किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्मन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । क्टर: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकत्पना वह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकत्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकत्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकत्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकत्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकत्पना के संबंध में क्या निर्णय आपेक्षित है ? (1) शोध परिकत्पना को स्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकत्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकत्पना और शून्य परिकत्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकत्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		(4)	उच्च स निम्न व्यवस्थित साक्ष्या साहत प्रदत्त	หมุธบ		
(i) शोधार्थी, दूसरे शोध के निष्कर्षों पर आलोचनात्मक दृष्टि डालता है । (ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।	9.	निम्नि	लेखित कथनों की सूची से उस सेट को चिहि	नत की	जिए, जिसका 'शोध की नैतिकता' पर नकारात्मक प्रभाव	
(ii) उचित संदर्भों के बिना संबंधित अध्ययनों को उद्धृत किया जाता है । (iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पढ़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना को सी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		पड़ता				
(iii) शोध के निष्कर्ष नीति निर्माण का आधार होते हैं । (iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।			=,			
(iv) प्रकाशित शोध साक्ष्यों के आधार पर व्यवहारकर्ताओं के आचरण का परीक्षण किया जाता है । (v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		` ′			किया जाता है ।	
(v) अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने की दृष्टि से शोध अध्ययन को आवृत्यात्मक रूप में निष्पन्न किया जाता है । (vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट: (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना को संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को संबंध में क्या जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना को संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		` ′				
(vi) नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्रक्रियाओं को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया जाता है । कूट : (1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना को स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		, ,	अन्य शोधों के साक्ष्यों का सत्यापन करने व			
(1) (i), (ii) और (iii) (2) (ii), (iii) और (iv) (3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		(vi)	नीति निर्माण और नीति क्रियान्वयन दोनों प्र	गक्रिया ॐ	ों को प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर प्रतिपादित किया	
(3) (ii), (iv) और (vi) (4) (i), (iii) और (v) 10. विद्यालय-परियोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		कूट:				
 10. विद्यालय-पिरयोजना को पूरा करने में बच्चों की प्रतिबल उन्मुखता पर शिशु पालन व्यवहार के प्रभाव संबंधी शोध में, निर्मित पिरकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध पिरकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य पिरकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य पिरकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध पिरकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध पिरकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध पिरकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध पिरकल्पना और शून्य पिरकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध पिरकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 						
निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रदत्त विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावित किया जाता है । उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर शून्य परिकल्पना को सार्थकता के .01 स्तर पर अस्वीकार किया जाता है । शोध परिकल्पना के संबंध में क्या निर्णय अपेक्षित है ? (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।		(3)	(ii), (iv) आर (vi)	(4)	(1), (iii) आर (v)	
 (1) शोध परिकल्पना को भी अस्वीकार किया जाएगा । (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 	10.	निर्मित परिकल्पना यह है कि 'शिशु पालन व्यवहार का प्रतिबल उन्मुखता पर अवश्य प्रभाव पड़ता है ।' प्रव विश्लेषण की अवस्था में शोध परिकल्पना की स्वीकार्यता का पता लगाने के लिए शून्य परिकल्पना को प्रस्तावि				
 (2) शोध परिकल्पना को स्वीकार किया जाएगा । (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 					त है ?	
 (3) शोध परिकल्पना और शून्य परिकल्पना दोनों को अस्वीकार किया जाएगा । (4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है । 						
(4) शोध परिकल्पना के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता है ।			•		ralasti fazii ziitii	
			•			
	A -00	` ′	राम चारम्र च ॥ मर राज्यल म जगर । । श्रील भी			

Read the following passage carefully and answer question numbers from 11 to 16:

In terms of labour, for decades the relatively low cost and high quality of Japanese workers conferred considerable competitive advantage across numerous durable goods and consumerelectronics industries (eg. Machinery, automobiles, televisions, radios). Then labour-based advantages shifted to South Korea, then to Malaysia, Mexico and other nations. Today, China appears to be capitalizing best on the basis of labour. Japanese firms still remain competitive in markets for such durable goods, electronics and other products, but the labour force is no longer sufficient for competitive advantage over manufacturers in other industrializing nations. Such shifting of labour-based advantage is clearly not limited to manufacturing industries. Today, a huge number of IT and service jobs are moving from Europe and North America to India, Singapore, and like countries with relatively well-educated, low-cost workforces possessing technical skills. However, as educational levels and technical skills continue to rise in other countries, India, Singapore, and like retired to the second countries and technical skills continue to rise in other countries. Singapore, and like nations enjoying labour-based competitive advantage today are likely to find such advantage cannot be sustained through emergence of new competitors.

In terms of capital, for centuries the days of gold coins and later even paper money restricted financial flows. Subsequently regional concentrations were formed where large banks, industries and markets coalesced. But today capital flows internationally at rapid speed. Global commerce no longer requires regional interactions among business players. Regional capital concentrations in places such as New York, London and Tokyo still persist, of course, but the capital concentrated there is no longer sufficient for competitive advantage over other capitalists distributed worldwide. Only if an organization is able to combine, integrate and apply its resources (eg. Land, labour, capital, IT) in an effective manner that is not readily imitable by competitors can such an

organization enjoy competitive advantage sustainable overtime.

In a knowledge-based theory of the firm, this idea is extended to view organizational knowledge as a resource with atleast the same level of power and importance as the traditional economic inputs. An organization with superior knowledge can achieve competitive advantage in markets that appreciate the application of such knowledge. Semiconductors, genetic engineering, pharmaceuticals, software, military warfare, and like knowledge-intensive competitive arenas provide both time-proven and current examples. Consider semiconductors (e.g. computer chips), which are adecigned within common metals. These ubiquitous and powerful electronic devices are designed within common office haidings, using common leaful and powerful electronic devices are designed within common office buildings, using commercially available tools, and fabricated within factories in many industrialized nations. Hence, land is not the key competitive resource in the semiconductor industry.

Based on the passage answer the following questions:

11.	Which country enjoyed	competitive advantages in automobile	e industry for decades?
	(1) C 41 IZ	(2) I	

South Korea (3) Mexico

(2) Japan (4) Malaysia

12. Why labour-based competitive advantages of India and Singapore cannot be sustained in IT and service sectors?

6

- (1) Due to diminishing levels of skill.
- (2) Due to capital-intensive technology making inroads.
- (3) Because of new competitors.
- Because of shifting of labour-based advantage in manufacturing industries. (4)
- How can an organisation enjoy competitive advantage sustainable overtime? 13.
 - Through regional capital flows. (1)
 - (2) Through regional interactions among business players.
 - By making large banks, industries and markets coalesced. (3)
 - By effective use of various instrumentalities. (4)
- 14. What is required to ensure competitive advantages in specific markets?
 - Access to capital (1)

(2) Common office buildings

(3) Superior knowledge (4) Common metals

- The passage also mentions about the trend of **15.**
 - Global financial flow (1)
 - Absence of competition in manufacturing industry (2)
 - Regionalisation of capitalists (3)
 - Organizational incompatibility (4)
- What does the author lay stress on in the passage? **16.**
 - International commerce (1)

Labour-Intensive industries (2)

(3) Capital resource management (4) Knowledge-driven competitive advantage

निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िये और प्रश्न संख्या 11 से 16 तक के उत्तर दीजिये :

श्रम के परिप्रेक्ष्य में, जापानी कार्यकर्ता दशकों तक अपेक्षाकृत कम लागत तथा उच्च गुणवत्ता के आधार पर प्रतिस्पर्धी अभिलाभ प्रदान करते रहे हैं, विशेषकर टिकाऊ वस्तुओं एवं उपभोक्ता संबंधी इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों यथा : मशीनरी, ओटोमोबाइल, टेलीविजन, रेडियो आदि के संदर्भ में । तदुपरान्त श्रम आधारित लाभ दक्षिण कोरिया, पश्चात मलेशिया, मैक्सिको तथा अन्य देशों में अंतरित हुए । सम्प्रति, श्रम के आधार पर चीन को विशेष लाभ उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है । फिर भी, ऐसी टिकाऊ वस्तुओं, इलैक्ट्रॉनिक्स तथा अन्य उत्पादों के लिए जापानी फर्म बाजार में अपेक्षाकृत अधिक प्रतिस्पर्धी योग्यता रखती हैं । किंतु अन्य औद्योगिक देशों के विनिर्माताओं के ऊपर प्रतिस्पर्धात्मक अभिलाभ हेतु श्रमबल अब पर्याप्त नहीं है । श्रम आधारित लाभ में इस प्रकार का बदलाव उत्पादन से जुड़े उद्योगों तक स्पष्टत: अनुसीमित नहीं है । आज सूचना प्रौद्योगिकी एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े अधिसंख्य रोजगार की संभावनाएँ यूरोप तथा उत्तरी अमेरिका से भारत, सिंगापुर तथा ऐसे ही अन्य देशों की ओर बढ़ रही हैं जहाँ सापेक्षत: अधिक शिक्षित, केम लागत वाले कार्यबल तकनीकी कौशल रखते हैं । तथापि, जैसे-जैसे अन्य देशों में शैक्षिक स्तर एवं तकनीकी दक्षताएँ अभिवृद्ध हो रही हैं; भारत, सिंगापुर तथा इसी प्रकार के अन्य देश जिनमें श्रम आधारित अभिलाभ प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर विशेष रूप में उपलब्ध रहे हैं, उनके समक्ष नए प्रतिस्पिधियों के आविर्भाव से ऐसे लाभों की संभावनाओं को बनाए रखना कठिन प्रतीत होता है ।

पूँजी की दृष्टि से, सदियों तक स्वर्ण-सिक्कों के काल एवं बाद में कागजी मुद्रा ने भी वित्तीय प्रवाहों को प्रतिबंधित किया । इस क्रम में क्षेत्रीय केन्द्रीकरण का अभ्युदय हुआ जिसमें बड़े बैंक, उद्योग और बाजार सम्मिश्रित हुए । किंतु आज पूँजी का प्रवाह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर क्षिप्रगति से हो रहा है । वैश्विक वाणिज्य अब अपने व्यापारिक प्रतिभागियों से क्षेत्रीय अन्तर्क्रियाओं (विनिमय) की आवश्यकता नहीं रखता । नि:संदेह, क्षेत्रीय स्तर पर पूँजी-केन्द्रीकरण के पुंज न्यूयॉर्क, लंदन तथा टोक्यो जैसे स्थानों में अभी भी विद्यमान हैं किंतु वे स्पर्धात्मक लाभों के लिए विश्व में फैले हुये अन्य पुँजी विनिवेशकों को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त नहीं है । परिवर्तित परिदृश्य में कोई भी संगठन अपने संसाधनों (यथा : भूमि, श्रम, पूँजी, एवं सूचना प्रौद्योगिकी) को जोड़ने, समन्वित करने तथा अनुप्रयोग में प्रभावी रूप से सक्षम हैं तथा जिसे अन्य प्रतिस्पर्धियों द्वारा सुविधाजनक रूप में अपनाया न जा सके, तभी उन्हें लम्बे अरसे तक ऐसे अभिलाभों के संपोषण का अवसर प्राप्त हो सकेगा ।

फर्म के ज्ञान-आधारित सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में इस धारणा से संगठनात्मक ज्ञान को परम्परागत आर्थिक आगतों की सामर्थ्य एवं महत्त्व के समतुल्य संसाधन के रूप में देखा जा सकता है । वह संगठन जिसमें उत्कृष्ट ज्ञान का संबल विद्यमान है, विशेषत: उन बाजारों में स्पर्धात्मक लाभ मिल सकते हैं जहाँ ज्ञान के अनुप्रयोग के प्रति आकर्षण हैं । इसके उदाहरण हैं : सेमीकन्डक्टर, जेनेटिक इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल्स, सॉफ्टवेयर, सैन्य युद्ध कर्म तथा अन्य ज्ञान गहन प्रतिद्वंद्विता के वे क्षेत्र जो कालक्रमानुसार सिद्ध एवं वर्तमान में भी प्रभावी हैं । सेमीकन्डक्टर जैसे कम्प्यूटर चिप्स को ही ले लीजिए जो प्रमुख रूप से रेत एवं सामान्य धातुओं से बनते हैं । ये सार्वदेशिक एवं शक्तिशाली इलैक्ट्रॉनिक प्रविधियाँ सामान्य कार्यालय भवनों में तैयार की जाती हैं तथा इनमें वार्णिज्यिक दुष्टि से उपलब्ध उपकरणों का उपयोग होता है तथा कई औद्योगिक देशों में कारखानों में ही निर्मित होते हैं । फलस्वरूप, सेमीकन्डक्टर उद्योगों में भूमि को महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक संसाधन के रूप में नहीं लिया जाता है ।

इस उद्धरण के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये :

- किस देश ने ओटोमोबाइल उद्योग में दशकों तक प्रतिस्पर्धी लाभ उठाया है ?
 - दक्षिण कोरिया
- (2) जापान
- (3) मैक्सिको
- मलेशिया
- भारत और सिंगापुर के श्रम-आधारित प्रतिस्पर्धी लाभ आई.टी और सेवा क्षेत्रों में क्यों संपोषित नहीं किये जा सकते ? 12.
 - दक्षता के ह्रासमान स्तरों के कारण (1)
- पुँजी-गहन प्रौद्योगिकी के आने के कारण (2)
- नये प्रतिस्पर्धियों के कारण (3)
- विनिर्माण उद्योगों में श्रम आधारित लाभ के अन्तरण के कारण (4)
- एक संगठन किस तरह संपोषणीय प्रतिस्पर्धी लाभ उठा सकता है ?
 - क्षेत्रीय पुँजी प्रवाहों के माध्यम से । (1)
 - व्यापार कर्ताओं के बीच क्षेत्रीय अन्तर्क्रिया के माध्यम से । (2)
 - बड़े बैंकों, उद्योगों और बाजारों को सिम्मिश्रित कर । (3)
 - विभिन्न साधकत्वों के प्रभावी प्रयोग द्वारा । (4)
- विशिष्ट बाजारों में प्रतिस्पर्धी लाभों को सुनिश्चित करने के लिये क्या आवश्यक है ?
 - पुँजी की सुलभता (1)

15.

- सामान्य कार्यालय भवन (2) सामान्य धातुएँ
- (3) उत्कृष्ट ज्ञान यह उद्धरण किस प्रवृत्ति का उल्लेख करता है ?
 - वैश्विक वित्तीय प्रवाह का (1)
- विनिर्माण उद्योग में प्रतिस्पर्धा के अभाव का (2)
- पूँजीवादियों के क्षेत्रीयकरण का (3)
- संगठनात्मक असंगति का (4)
- इस उद्धरण में लेखक किस पर बल देता है ? **16.**
 - अन्तर्राष्ट्रीय वाणिज्य पर
- श्रम-गहन उद्योग पर (2)
- पुँजी-संसाधन प्रबन्धन पर
- ज्ञान-अनुप्रेरित प्रतिस्पर्धी लाभ पर (4)

A-00 7 P.T.O.

(4)

- **17.** Imagine you are working in an educational institution where people are of equal status. Which method of communication is best suited and normally employed in such a context?
 - (1) Horizontal communication
 - (2) Vertical communication
 - (3) Corporate communication
 - (4) Cross communication
- **18.** Identify the important element a teacher has to take cognizance of while addressing students in a classroom.
 - (1) Avoidance of proximity
 - (2) Voice modulation
 - (3) Repetitive pause
 - (4) Fixed posture
- **19.** What are the barriers to effective communication?
 - (1) Moralising, being judgemental and comments of consolation.
 - (2) Dialogue, summary and self-review.
 - (3) Use of simple words, cool reaction and defensive attitude.
 - (4) Personal statements, eye contact and simple narration.
- **20.** The choice of communication partners is influenced by factors of
 - (1) Proximity, utility, loneliness
 - (2) Utility, secrecy, dissonance
 - (3) Secrecy, dissonance, deception
 - (4) Dissimilarity, dissonance, deviance
- 21. As a teacher, select the best option to ensure your effective presence in the classroom.
 - (1) Use of peer command
 - (2) Making aggressive statements
 - (3) Adoption of well-established posture
 - (4) Being authoritarian
- 22. Every communicator has to experience
 - (1) Manipulated emotions
 - (2) Anticipatory excitement
 - (3) The issue of homophiles
 - (4) Status dislocation

17.	कल्पना कीजिए कि आप एक ऐसी शिक्षा संस्था में हैं, जहाँ लोग समान प्रस्थिति के हैं । ऐसी स्थिति में संप्रेषण की								
	कौन-सी पद्धति सबसे अधिक उपयुक्त है और प्राय: इस प्रसंग में काम में लाई जाती है ?								
	(1)	क्षैतिज संप्रेषण	(2)	ऊर्ध्व संप्रेषण					
	(3)	कॉर्पोरेट संप्रेषण	(4)	प्रति संप्रेषण					
18.	कक्षा	में विद्यार्थियों को संबोधित करते समय अध्य	यापक ह	द्वारा ध्यान में रखे जाने वाले महत्वपूर्ण तत्त्व को चिह्नित					
	कोजि	ए ।		1					
	(1)	सानिध्य से बचना	(2)	वाक् स्वराघात परिवर्तन (वाक माडुलन)					
	(3)	पुनरावर्ती विराम	(4)	स्थिर भंगिमा					
19.	प्रभावं	ी संप्रेषण में अवरोधक क्या हैं ?							
	(1)	नीति-प्रवचन, निर्णयपरक होना और सांत्वन	ा प्रदायी	ा टिप्पणियाँ					
	(2)	संवाद, सारांश और आत्म-समीक्षा							
	(3)	सरल शब्दों का प्रयोग, शांत प्रतिक्रिया और	रक्षात्म	क अभिवृत्ति					
	(4)	वैयक्तिक कथन, नजर मिलाना और सरल	वर्णन						
20.	संप्रेषा	ण प्रतिभागियों का चयन किस कारक द्वारा प्रभ	गावित ह	गेता है ?					
	(1)	सान्निध्य, उपयोगिता, अकेलापन	(2)	उपयोगिता, गुप्तता, असंवादिता					
	(3)	गुप्तता, असंवादिता, छल	(4)	विषमता, असंवादिता, विपथन					
21.	एक अध्यापक के रूप में कक्षा में आपकी प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम विकल्प का चयन कीजिए ।								
	(1)	सहयोगी समादेश का प्रयोग							
	(2)	आक्रामक कथन करना							
	(3)	सुस्थापित भंगिमा का अंगीकरण							
	(4)	प्राधिकार-वादी होना ।							
22.	प्रत्येक सम्प्रेषक को किस प्रकार का अनुभव होता है ?								
	(1)	क्षिप्त आवेग							
	(2)	प्रत्याशित उत्तेजना							
	(3)	होमोफिली का मुद्दा							
	(4)	प्रस्थिति विस्थापना							
A-00)		9	P.T.O.					

23.	In certain code, SELECTION is coded a be (1) YKCPGAYLQ (2) BNFSJDBMR (3) QLYAGPCKY (4) YQKLCYPAG	as QC	JCARGML. The code of AMERICANS will
24.	In the series 3, 11, 23, 39, 59, The next term will be (1) 63 (3) 83	(2) (4)	73 93
25.			ee tickets from city A to C cost ₹ 177. Three in city A to C cost ₹ 173. The fare for city B 27 33
26.	A person walks 10 m infront and 10 m walks 5, 15 and 15 m respectively. How (1) 20 m (3) 10 m		right. Then every time turning to his left, he he now from his starting point? 15 m 5 m
27.	A is sister of B. F is daughter of G. C is is related to D as (1) Grand daughter (3) Daughter-in-law	moth (2) (4)	er of B. D is father of C. E is mother of D. A Daughter Sister
28.	In the series AB, EDC, FGHI,?, OPQRST, the (1) JKLMN (3) NMLKJ	missii (2) (4)	ng term is JMKNL NMKLJ
29.	Among the following propositions two the other. Which are those propositions: (a) All women are equal to men (b) Some women are equal to men (c) Some women are not equal to men (d) No women are equal to men Codes: (1) (a) and (b) (2) (a) and (d) (3) (c) and (d) (4) (a) and (c)	? Sele	elated in such a way that one is the denial of ect the correct code:
A-00		10	

23.	कतिपय कूट में, SELECTION का कूट QCJCARGML है, AMERICANS का कूट होगा :								
	(1)	YKCPGAYLQ	(2)	BNFSJDBMR					
	(3)	QLYAGPCKY	(4)	YQKLCYPAG					
24.	शृ <u>ं</u> खल	Т							
	3, 11	, 23, 39, 59,							
	में अग	ाली संख्या होगी							
	(1)	63	(2)	73					
	(3)	83	(4)	93					
25.		टेकटों और A से C शहर की दो टिकटों की		ोन रेल टिकटों की कीमत ₹ 177 है । A से B शहर की ₹ 173 रुपए है । शहर A से शहर B के लिए किराया					
	(1)	₹ 25	(2)	₹ 27					
	(3)	₹ 30	(4)	₹ 33					
26.				भोर 10 मीटर चलता है। फिर वह अपनी बायीं ओर मुड़- समय अपने आरम्भ बिंदु से कितनी दूरी पर है ?					
	(1)	20 मी.	(2)	15 मी.					
	(3)	10 मी.	(4)	5 मी.					
27.	A, B है :	की बहन है, F, G की पुत्री है, C, B की मा	ता है, I	D, C का पिता है, E, D की माता है, A का D से संबंध					
	(1)	ग्रैंड डॉटर (पोती)	(2)	डॉटर (बेटी)					
	(3)	डॉटर-इन-लॉ (पुत्र-वधू)	(4)	सिस्टर (बहन)					
28.	शृंखल	T AB, EDC, FGHI,?, OPQRST	Γ में छुट	ग्र हुआ पद है :					
		JKLMN							
	(3)	NMLKJ	(4)	NMKLJ					
29.	हैं ? स	ाही कूट का चयन कीजिए : कथन :	हैं कि	वे एक-दूसरे के नकारात्मक हैं । वे अभिकथन कौन-से					
	(a)	सभी महिलाएँ पुरुषों के बराबर होती हैं ।							
	(b)	कुछ महिलाएँ पुरुषों के बराबर होती हैं ।							
	(c)	कुछ महिलाएँ पुरुषों के बराबर नहीं होती हैं							
	(d)	कोई भी महिला पुरुषों के बराबर नहीं होती है	है ।						
	कूट :								
	(1)	(a) और (b)	(2)	(a) और (d)					
	(3)	(c) और (d)	(4)	(a) और (c)					
A-00)		11	P.T.O.					

30. If the proposition 'All thieves are poor' is false, which of the following propositions can be claimed certainly to be true?

Propositions:

- (1) Some thieves are poor.
- (2) Some thieves are not poor.
- (3) No thief is poor.
- (4) No poor person is a thief.
- **31.** Consider the following statement and select the correct code stating the nature of the argument involved in it:

To suppose that the earth is the only populated world in the infinite space is as absurd as to assert that in an entire field of millet only one grain will grow.

(1) Astronomical

(2) Anthropological

(3) Deductive

(4) Analogical

- **32.** Select the code which is not correct about Venn diagram:
 - (1) Venn diagram represents propositions as well as classes.
 - (2) It can provide clear method of notation.
 - (3) It can be either valid or invalid.
 - (4) It can provide the direct method of testing the validity.
- **33.** Select the code which is not correct in the context of deductive argument with two premises:
 - (1) An argument with one true premise, one false premise and a false conclusion may be valid.
 - (2) An argument with two true premises and a false conclusion may be valid.
 - (3) An argument with one true premise, one false premise and a true conclusion may be valid.
 - (4) An argument with two false premises and a false conclusion may be valid.
- **34.** Given below are two premises and four conclusions are drawn from them (taking singly or together). Select the code that states the conclusions validly drawn.

Premises:

- (i) All religious persons are emotional.
- (ii) Ram is a religious person.

Conclusions:

- (a) Ram is emotional.
- (b) All emotional persons are religious.
- (c) Ram is not a non-religious person.
- (d) Some religious persons are not emotional.

Codes:

- (1) (a), (b), (c) and (d)
- (2) (a) only
- (3) (a) and (c) only
- (4) (b) and (c) only

30.	यदि यह अभिकथन कि "सभी चोर गरीब होते हैं" गलत है तो निम्नलिखित में से किस अभिकथन के संबंध में निश्चित रूप से सही होने का दावा किया जा सकता है ? अभिकथन :								
	(1)	कुछ चोर गरीब होते हैं । (2) कुछ चोर गरीब नहीं होते हैं ।							
	(3)	•		रीब नहीं होता है ।	(4)		कोई गरीब आदमी चोर नहीं होता है ।		
	(3)	-1/16 -11	411		(+)	,	and the anti-many let fitting t		
31.	31. निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए और इसमें दिए गए तर्क की प्रकृति का उल्लेख करते हुए सही कूट का कीजिए :					तर्क की प्रकृति का उल्लेख करते हुए सही कूट का चयन	V		
				इस अनंत अंतरिक्ष में 1 एक दाना उगेगा ।	पृथ्वी ही ए	एक	बसी हुयी दुनिया है, ऐसा असंगत कथन है जैसा यह कि	A	
	(1)	खगोलीय	1		(2))	मानवशास्त्रीय		
	(3)	निगमनाव	त्मक		(4))	सादृश्यात्मक		
32.	उस क	ट का चय	प्रन की	जिए जो वेन डायग्राम ^ह	के संबंध में	सर्ह	ी नहीं है ।		
	(1)			गभिकथनों और श्रेणियों					
	(2)	यह संके	तन की	। स्पष्ट पद्धति उपलब्ध	कर सकता	ा है	1		
	(3)			त्रैध हो सकता है ।					
	(4)	यह वैधत	ना परीध	क्षण की प्रत्यक्ष पद्धति	उपलब्ध कर	र स	कता है ।		
33.	उस कू	ट का चय	ग्न की	जेए, जो दो आधार-वा	क्यों वाले नि	नेगम	मनात्मक तर्क के प्रसंग में सही नहीं है :		
	(1)	एक सही) आधा	र-वाक्य, एक गलत अ	ाधार-वाक्य	औ	ौर एक गलत निष्कर्ष वाला तर्क, वैध हो सकता है ।		
	(2)	दो सही	आधार	-वाक्यों और एक गलत	न निष्कर्ष व	ाला	ा तर्क वैध हो सकता है ।		
	(3)	एक सही) आधा	र-वाक्य, एक गलत अ	ाधार-वाक्य	औ	ोर एक सही निष्कर्ष वाला तर्क वैध हो सकता है ।		
	(4)	दो गलत	आधा	र-वाक्यों वाला तर्क अं	ौर एक गल	ात र्व	निष्कर्ष वैध हो सकता है ।		
34.							त्रए गए हैं (जो अलग-अलग या एक साथ लिए गए हैं) । कर्ष वैध रूप में लिए गए हैं ।		
	आधा	र-वाक्य :	(i)	सभी धार्मिक व्यक्ति १	मावुक होते	हैं ।	l		
			(ii)	राम एक धार्मिक व्यवि	फ्त है ।				
	निष्क	र्ष :	(a)	राम भावुक है ।					
			(b)	सभी भावुक व्यक्ति ध	ार्मिक होते	हैं ।	l		
			(c)	राम एक अधार्मिक व्य	प्रक्ति नहीं है	<u>†</u> 1			
		(d) कुछ धार्मिक व्यक्ति भावुक नहीं होते हैं ।							
	कूट:								
	(1)	(a), (b)), (c)	और (d)	(2))	केवल (a)		
	` /	केवल (a) औ	T (c)	(4)		केवल (b) और (c)		
A-00					13	3	P.T.O	•	
A-00	` /	कवल (<i>i</i>	a)	(c)	` ′			١.	

The following table shows the percentage profit (%) earned by two companies A and B during the years 2011-15. Answer questions 35-37 based on the data contained in the table:

Profit earned by two companies

X 7	Percentage Profit (%)				
Year	A	В			
2011	20	30			
2012	35	40			
2013	45	35			
2014	40	50			
2015	25	35			



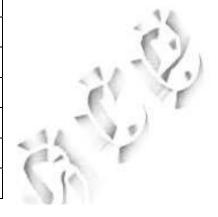
Where, percent (%) Profit = $\frac{Income - Expenditure}{Expenditure} \times 100$

- **35.** If the total expenditure of the two companies was ₹ 9 lakh in the year 2012 and the expenditure of A and B were in the ratio 2:1, then what was the income of the company A in that year?
 - (1) ₹ 9.2 lakh
 - (2) ₹ 8.1 lakh
 - (3) ₹ 7.2 lakh
 - (4) ₹ 6.0 lakh
- **36.** What is the average percentage profit earned by the company B?
 - (1) 35%
 - (2) 42%
 - (3) 38%
 - (4) 40%
- **37.** In which year, the percentage profit earned by the company B is less than that of company
 - A ?
 - (1) 2012
 - (2) 2013
 - (3) 2014
 - (4) 2015

निम्निलिखित तालिका में वर्ष 2011-15 के दौरान A और B नामक दो कंपनियों द्वारा अर्जित लाभ की प्रतिशतता (%) दर्शाई गई है । प्रश्न 35-37 का उत्तर तालिका में दिए प्रदत्त के आधार पर दीजिए ।

दो कंपनियों द्वारा अर्जित लाभ

वर्ष	लाभ की प्रतिशतता (%)				
. ,	A	В			
2011	20	30			
2012	35	40			
2013	45	35			
2014	40	50			
2015	25	35			



जहाँ, होने वाला प्रतिशत (%) लाभ = $\frac{$ आय - व्यय \times 100

35. यदि दो कंपनियों का कुल व्यय, वर्ष 2012 में 9 लाख रुपये था और A और B के व्यय का अनुपात 2:1 था, तो उस वर्ष में कंपनी A की आय क्या थी ?

(1) ₹ 9.2 লাख

(2) ₹ 8.1 लाख

(3) ₹ 7.2 लाख

(4) ₹ 6.0 লাख

36. कंपनी B द्वारा अर्जित लाभ की औसत प्रतिशतता क्या है ?

(1) 35 प्रतिशत

(2) 42 प्रतिशत

(3) 38 प्रतिशत

(4) 40 प्रतिशत

37. किस वर्ष में कंपनी B द्वारा अर्जित लाभ की प्रतिशतता, कंपनी A द्वारा अर्जित लाभ की प्रतिशतता से कम है ?

(1) 2012

(2) 2013

(3) 2014

(4) 2015

A-00 15 P.T.O.

The following table shows the number of people in different age groups who responded to a survey about their favourite style of music. Use this information to answer the questions that follow: (Question 38-40) to the nearest whole percentage:

	Number of people						
Age →	(Years)	(Years)	(Years)				
Style of	15-20	21-30	31+				
Music↓							
Classical	6	4	17				
Pop	7	5	5				
Rock	6	12	14				
Jazz	1	4	11				
Blues	2	3	15				
Нір-Нор	9	3	4				
Ambient	2	2	2				



38. Approximately what percentage of the total sample were aged	21-3	30	?
--	------	----	---

(1) 31%

(2) 23%

(3) 25%

(4) 14%

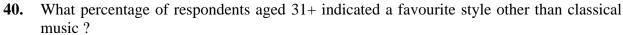
39.	Approximately	what	percentage	of	the	total	sample	indicates	that	Hip-Hop	is	their
	favourite style of music?											

(1) 6%

(2) 8%

(3) 14%

(4) 12%



(1) 64%

(2) 60%

(3) 75%

(4) 50%

- (1) Information Technology (IT)
- (2) Information and Collaborative Technology (ICT)
- (3) Information and Data Technology (IDT)
- (4) Artificial Intelligence (AI)

42. If the binary equivalent of the decimal number 48 is 110000, then the binary equivalent of the decimal number 51 is given by

(1) 110011

(2) 110010

(3) 110001

(4) 110100

43. The process of copying files to a CD-ROM is known as

(1) Burning

(2) Zipping

(3) Digitizing

(4) Ripping

44. An unsolicited e-mail message sent to many recipients at once is a

(1) Worm

(2) Virus

(3) Threat

(4) Spam

निम्निलिखित तालिका में ऐसे अलग-अलग आयु समूह में लोगों को दर्शाया गया है, जिन्होंने अपनी पसंद के संगीत की शैली के संबंध में किए गए सर्वेक्षण में उत्तर दिया । इस सूचना का प्रयोग नीचे दिये गये प्रश्नों (38-40) का उत्तर देने के लिए कीजिए । प्रदत्त उत्तर निकटतम पूर्ण प्रतिशतता के आधार पर हैं :

	लोगों की संख्या					
आयु →	(वर्ष)	(वर्ष)	(वर्ष)			
संगीत	15-20	21-30	31+			
की शैली ↓						
शास्त्रीय	6	4	17			
पॉप	7	5	5			
रॉक	6	12	14			
<u> जा</u> ज़्ज	1	4	11			
ब्लूज	2	3	15			
हिप-हॉप	9	3	4			
एंबिएंट	2	2	2			



		\sim $^{\iota}$			\sim	C				`	`	_
38.	कल	प्रातदश	का	लगभग	कितना	प्रतिशत	21	-30	आय	क	थ	?

(1) 31%

(2) 23%

(3) 25%

(4) 14%

39. कुल प्रतिदर्श का लगभग कितना प्रतिशत यह संकेत देता है कि हिप-हॉप उनकी पसंद की संगीत शैली है ?

(1) 6%

(2) 8%

(3) 14%

(4) 12%

40. 31+ आयु के उत्तरदाताओं के कितने प्रतिशत ने शास्त्रीय संगीत से भिन्न पसंदीदा शैली को इंगित किया है ?

(1) 64%

(2) 60%

(3) 75%

(4) 50%

41. यह कथन – "कंप्यूटर आधारित सूचना प्रणाली का अध्ययन, अभिकल्प, विकास, क्रियान्वयन, प्रायोजन या प्रबंधन, विशेषत: सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों और कंप्यूटर हार्डवेयर" संबंधित है

- (1) सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) से ।
- (2) सूचना और प्रतिभाग आधारित प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) से ।
- (3) सूचना और प्रदत्त प्रौद्योगिकी (आई.डी.टी.) से ।
- (4) कृत्रिम बुद्धि (ए.आई.) से ।

42. यदि दाशमिक संख्या 48 का द्विआधारी समतुल्य 110000 है, तो दाशमिक संख्या 51 का द्विआधारी समतुल्य है

(1) 110011

(2) 110010

(3) 110001

(4) 110100

43. सी.डी. रॉम में फाइल को कॉपी करने की प्रक्रिया को ऐसे जाना जाता है :

(1) बर्निंग

(2) ज़िप्पिंग

(3) डिजिटाइजिंग

(4) रिप्पिंग

44. कई प्राप्तकर्ताओं को तुरंत भेजा गया अयाचित ई-मेल को कहा जाता है

(1) वॉर्म

(2) वाइरस

(3) श्रेट

(4) स्पाम

A-00

17

P.T.O.

45.	is a type of memory circuitry (1) RIM (Read Initial Memory)	y that	holds the computer's start-up routine.
	(2) RAM (Random Access Memory)		
	(3) ROM (Read Only Memory)		
	(4) Cache Memory		
46.	<u> </u>	numbe	that is employed by personal computers in ers and control keys that the computer user for
	(1) American Standard Code for Infor	matio	n Interchange
	(2) American Standard Code for Intel	ligent	Information
	(3) American Standard Code for Infor		
	(4) American Standard Code for Isola	ted In	formation
47.	human beings.	s whic	ch irritates eyes and also respiratory tract of
	(1) Particulate matter	(2)	Oxides of nitrogen
	(3) Surface ozone	(4)	Carbon monoxide
48.	9	arce o	f water pollution in major rivers of India?
	(1) Untreated sewage		
	(2) Agriculture run-off		
	(3) Unregulated small scale industries	}	
	(4) Religious practices		
49.	Sustainable development goals have spe		-
	(1) 2022	(2)	2030
	(3) 2040	(4)	2050
50.	Indian government's target of producing	-	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	(1) 50 MW	(2)	25 MW
	(3) 15 MW	(4)	10 MW
51.	Assertion (A): Conserving our soil re		
	Reason (R) : Soil is home to many Choose the correct code :	micro	organisms and contains minerals.
	(1) Both (A) and (R) are correct and (R) is t	the correct explanation of (A).
	(2) Both (A) and (R) are correct but (l	R) is n	not the correct explanation of (A).
	(3) (A) is true and (R) is false.		
	(4) (A) is false and (R) is true.		
52.	deaths due to hydrometeorological disas) objective has been to reduce the number of ver the decade 2010-2019 by (with reference
	to the decade 1994-2003) (1) 25%	(2)	50%
	(3) 75%	(4)	80%
A-00	· ·	` '	00 /0
A-UU		18	

45.		मेमोरी सर्किट्री का एक प्रकार है, जो	कम्प्यूट	र के स्टार्ट-अप रुटीन को धारण करता है ।	
	(1)	आर.आई.एम. (रीड इनीशियल मेमोरी)	-		
	(2)	आर.ए.एम. (रेंडम ऐक्सेस मेमोरी)			
	(3)	आर.ओ.एम. (रीड ओनली मेमोरी)			
	(4)	कैशे मेमोरी			
46.	विभिन्न चयन व (1) (2) (3)	केरेक्टरों, संख्याओं और नियंत्रण कुंजियों व हरता है, ए.एस.सी.आई.आई. सूचना के अंतर्विनिमय के लिए अमरीकी मान बुद्धिमत्तापूर्ण सूचना के लिए अमरीकी मानक सूचना की सत्यनिष्टा के लिए अमरीकी मानक	हो व्यक के लिए नक को इकोड	ड	
	(4)	पृथक् सूचना के लिए अमरीकी मानक कोड			
47.	शहरी <i>8</i> है ।	क्षेत्रों के ऐसे वायु प्रदूषक को चिह्नित कीजि	ाए, जि	ससे मनुष्य की आँखों और श्वसन नली में जलन होती	
		विशिष्ट पदार्थ (पर्टिकुलेट मैटर)		नाइट्रोजन् का ऑक्साइड	
	(3)	सतही ओज़ोन	(4)	कार्बन मोनोक्साइड	
48.	(1)(2)(3)	ही बड़ी-बड़ी निदयों में जल प्रदूषण का निम्नी असंसाधित मलजल कृषि संबंधी जल-प्रवाह अविनियमित लघु उद्योग धार्मिक रीति-रिवाज	लेखित	में से सबसे बड़ा स्रोत क्या है ?	
49.	संपोषक	ज विकास का लक्ष्य निम्नलिखित में से किस व	त्रर्ष तक	प्राप्त करने का विशिष्ट लक्ष्य है ?	
	(1)	2022 2040	(2) (4)	2030 2050	
50.	वर्ष 20	22 तक बायोमास से विद्युत उत्पादन हेतु सर	कार क	ा लक्ष्य है	
		50 मे.वा.	(2)	25 मे.वा.	
	(3)	15 मे.वा.	(4)	10 मे.वा.	
51.	तर्क (ह सही कू (1) (2) (3)	श्यन (A) : हमारे मृदा संसाधनों का संरक्ष्या (A) : मृदा कई सूक्ष्म जीवों का वास्य का चयन कीजिए : (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) (A) सही है और (R) गलत है । (A) गलत है और (R) सही हैं ।	म है औ की सह	र इसमें खनिज हैं ।	
52.	आपदाः (1)	गौसम संगठन (डब्ल्यू.एम.ओ.) का उद्देश्य 2 ओं के कारण मृत्यु की संख्या (1994-2003 25% 75%	के दश (2)	019 के दशक में जल-मौसम (हाइड्रोमीटीओरोलॉजीकल) क की तुलना में) कितना कम करना है ? 50% 80%	
	` /	1370	(4)		
A-00)		19	P.T.O.	

53.	Which of the following core values among the institutions of higher education are promoted by the NAAC (National Assessment and Accreditation Council)? (a) Contributing to national development. (b) Fostering global competencies among the students. (c) Inculcating a value system among students and teachers. (d) Promoting the optimum utilization of the infrastructure. Select the correct answer from the codes given below: Codes:									
	(1) (b), (c) and (d)	(2) (4)	(a), (b) and (c) (a), (b), (c) and (d)							
54.	• •	on is (2) (4)	through lectures / discourses on values mentoring / reflective sessions on values							
55.	The National Judicial Appointments unconstitutional by (1) The Supreme Court of India (2) The High Court (3) The High Court and the Supreme Co (4) The President of India		ommission (NJAC) has been declared both							
56.		tate a of the	e Constitution. are justiciable.							
57.	Which of the following are the fundamental duties? (a) To respect the National Flag. (b) To protect and improve the natural environment. (c) For a parent to provide opportunities for education to his/her child. (d) To protect monuments and places of national importance. Select the correct answer from the codes given: Codes: (1) (a), (b) and (c) (2) (a), (b) and (d) (3) (a), (c) and (d) (4) (a), (b), (c) and (d)									
58.		or a si given (2)	tatutory body. a below: (b) and (d)							
A-00		(4) 20	(b), (c) and (d)							

53.	उच्च शिक्षा की संस्थाओं में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं मूल्य को बढ़ावा दिया गया है ? (a) राष्ट्रीय विकास में अवदान (b) विद्यार्थियों में वैश्विक प्रवीणताओं का सम्पोष् (c) विद्यार्थियों और अध्यापकों में मूल्य-व्यवस्था (d) आधारिक सुविधाओं के इष्टतम उपयोग को नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए : कूट :	त्रण विकसि	त करना	। संकेंद्रक
	(1) (b), (c) और (d) (3) (a), (c) और (d)	(2) (4)	(a), (b) और (c) (a), (b), (c) और (d))
54.	मूल्य शिक्षा प्रदान करने का सर्वोत्तम तरीका है (1) शास्त्रीय ग्रंथों पर चर्चा (3) मूल्यों पर संगोष्टियाँ/परिसंवाद	(2) (4)	मूल्यों पर व्याख्यान/परिसंवादात्मक विवरण मूल्यों पर आदर्शात्मक प्रस्तुति/विमर्शी सत्र	
55.	राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एन.जे.ए.सी.) को (1) भारत के उच्चतम न्यायालय ने (2) उच्च न्यायालय ने (3) उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय दोन् (4) भारत के राष्ट्रपति ने		खित में किसने असंवैधानिक घोषित किया है ?	
56.	भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखि (a) राष्ट्रपति, राज्याध्यक्ष और शासनाध्यक्ष दोनों (b) संसद सर्वोच्च है । (c) उच्चतम न्यायालय, संविधान का संरक्षक है (d) राज्य-नीति के निर्देशक सिद्धांत वादयोग्य हैं नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए : (1) (a), (b), (c) और (d) (3) (b) और (c)	हैं । । ।	कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? (b), (c) और (d) केवल (c)	
57.	निम्नलिखित में से कौन-से मूल (मौलिक) कर्त्तव्य हैं (a) राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान (b) प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसमें सुधा (c) माता-पिता द्वारा अपने बच्चे को शिक्षा के अ (d) राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारकों और स्थलों की सुनीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए : कूट : (1) (a), (b) और (c) (3) (a), (c) और (d)	ार विसर प्र ाुरक्षा क (2)		
58.	नीति आयोग के संबंध में निम्निलिखित में से कौन से (a) यह एक संवैधानिक निकाय है। (b) यह एक सांविधिक निकाय है। (c) यह न तो संवैधानिक निकाय है, न ही सांविधि (d) यह एक चिंतन कोश (थिंक टैंक) है। नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए: (1) (a) और (d)	धेक निव		
A-00	(3) (c) और (d)	(4) 21	(b), (c) और (d)	P.T.O.
A-00		41		1.1.0.

59. A college level assistant professor has planned his/her lectures with an intent to develop cognitive dimensions of students centered on skills of analysis and synthesis. Below, given are two sets of items Set – I consisting of levels of cognitive interchange and Set – II comprising basic requirements for promoting them. Match the two sets and indicate your answer by choosing the correct alternative from the code:

Set – I Set – II

(Levels of Cognitive (Basic requirements for promoting cognitive interchange) **Interchange**) i. Memory level Giving opportunity for discriminating a. examples and non-examples of a point. b. Understanding level ii. Recording the important points made during the presentations. c. Reflective level iii. Asking the students to discuss various items of information. Critically analyzing the points to be made iv.

and discussed.

Codes:

- a b c
- (1) ii iv i
- (2) iii iv ii
- (3) ii i iv
- (4) i ii iii
- **60.** Which set of learner characteristics may be considered helpful in designing effective teaching-learning systems? Select the correct alternative from the codes given below:
 - (i) Prior experience of learners in respect of the subject.
 - (ii) Interpersonal relationships of learner's family friends.
 - (iii) Ability of the learners in respect of the subject.
 - (iv) Student's language background.
 - (v) Interest of students in following the prescribed dress code.
 - (vi) Motivational-orientation of the students.

Codes:

- (1) (i), (ii), (iii) and (iv) (2) (i), (iii), (iv) and (vi)
- (3) (ii), (iii), (iv) and (v) (4) (iii), (iv), (v) and (vi)

59. एक महाविद्यालय स्तर के सहायक प्रोफेसर ने विश्लेषण और संश्लेषण कौशल पर केंद्रित, विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक आयाम का विकास करने के उद्देश्य से अपने व्याख्यानों की एक योजना बनाई है । नीचे मदों के दो सेट दिए गए हैं — सेट-I संज्ञानात्मक अंतर्विनिमय के स्तर से संबंधित है और सेट-II उन्हें बढ़ावा देने के लिए मूलभूत अपेक्षाओं से संबंधित है । दोनों सेटों को सुमेलित कींजिए और कूट से सही विकल्प का चयन करके अपना उत्तर दींजिए:

सेट - I सेट - II

(संज्ञानात्मक अंतर्विनिमय का स्तर) (संज्ञानात्मक अंतर्विनिमय को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकताएँ)

a. स्मृति स्तर

- i. किसी बिंदु के उदाहरणों और गैर-उदाहरणों को पृथक करने का अवसर देना ।
- b. अवबोध स्तर
- ii. प्रस्तुतीकरण के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण बिंदुओं को दर्ज करना ।
- c. विमर्शी स्तर
- iii. सूचना के विभिन्न मदों पर चर्चा करने के लिए विद्यार्थियों से कहना ।
- iv. विवेच्य बिंदुओं का आलोचनात्मक विश्लेषण करना और उन पर चर्चा करना ।

कृट:

- a b c
- (1) ii iv i
- (2) iii iv ii
- (3) ii i iv
- (4) i ii iii
- **60.** प्रभावी शिक्षण-अधिगम व्यवस्थाओं के अभिकल्पन में शिक्षार्थी की विशेषताओं का कौन सा सेट सहायक समझा जा सकता है ? नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन कीजिए :
 - (i) विषय के संबंध में अधिगमकर्ताओं का पूर्व-अनुभव
 - (ii) अधिगमकर्ताओं के परिवार के मित्रों का अंतर्वेयक्तिक संबंध
 - (iii) विषय के संदर्भ में अधिगमकर्ताओं की योग्यता
 - (iv) विद्यार्थियों की भाषा-पृष्ठभूमि
 - (v) निर्धारित ड्रेस कोड अपनाने में विद्यार्थियों की रुचि
 - (vi) विद्यार्थियों का अभिप्रेरणात्मक अभिमुखीकरण

कृट:

- (1) (i), (ii), (iii) और (iv)
- (2) (i), (iii), (iv) और (vi)
- (3) (ii), (iii), (iv) और (v)
- (4) (iii), (iv), (v) और (vi)

Space For Rough Work

